



जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने ईवीएम वेयरहाउस का **पेज: 3**

**वर्ष : 02**

**अंक : 202**

**मंगलवार 27 अक्टूबर 2026**

**अमरोहा (उत्तर प्रदेश)**

**www.sabkasapna.com**

**पृष्ठ : 08**

**मूल्य: 2 रुपए**

**निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र**

**मुझे सपोर्टिंग ए टर या कैरे टर ए टर जैसे ठपे बिल्कुल **पेज: 8****



## दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक की छत पर उठा धुआं, वेल्लिंग के दौरान एसी बॉयलर में लगी आग

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय के नॉर्थ ब्लॉक की छत पर सोमवार सुबह अचानक धुआं उठने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा ने 6 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा। शुरुआती जानकारी के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 11-10 बजे नॉर्थ ब्लॉक से धुआं उठने की सूचना मिली थी। इसके बाद दमकलकर्मियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि इमारत की छत पर मरम्मत का काम चल रहा था। तभी वेल्लिंग करते समय शॉर्ट सर्किट होने से एसी बॉयलर में आग लग गई। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगी। आपातकालीन टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। नॉर्थ ब्लॉक में केंद्रीय गृह मंत्रालय और वित्त मंत्रालय सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय स्थित हैं। संसद भवन के नजदीक स्थित इस इमारत से धुआं उठने की सूचना के बाद संबंधित एजेंसियां सतर्क हो गईं। फिलहाल किसी के घायल होने या बड़े नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारियों की ओर से घटना से संबंधित विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

## यूपी में भाजपा को रोकने के लिए विपक्ष से गठबंधन को तैयार ओवैसी

कैराना । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में भाजपा को सता में आने से रोकने के साझा उद्देश्य के लिए अन्य विपक्षी दलों के साथ हाथ मिलाते को तैयार है। रविवार को शामिल जिले के कैराना में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वह योगी आदित्यनाथ को तीसरी बार प्रदेश का मुख्यमंत्री बनते नहीं देखना चाहते। सांसद ओवैसी ने कहा कि यदि अन्य विपक्षी दल भी भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के उद्देश्य से काम करना चाहते हैं, तो उनकी पार्टी सहयोग के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्षी दलों पर अल्पसंख्यकों और समाज के कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से नहीं उठाने का आरोप लगाया। एआईएमआईएम प्रमुख ने दावा किया कि प्रदेश में मस्जिदों को गिराए जाने और कथित ‘हाफ एनकाउंटर’ जैसी घटनाओं पर विपक्ष पर्याप्त आवाज नहीं उठा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों की समस्याओं पर गंभीरता से काम करना चाहिए। ओवैसी के बयान को उत्तर प्रदेश में आगामी राजनीतिक समीकरणों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने किसी दल के साथ गठबंधन को लेकर औपचारिक घोषणा नहीं की।

## सुवेंदु ने सीजेपी पर साधा निशाना और बोले- लोग पीएम मोदी के साथ खड़े हों

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में खड़े होने की अपील की। उन्होंने कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) पर निशाना साधते हुए उसे ‘दिमागी नक्सल’ और ‘टुकड़े-टुकड़े गैंग’ जैसे शब्दों से संबोधित किया। अधिकारी की यह टिप्पणी सीजेपी पर उनके लगातार हमलों के बीच आई है। एक दिन पहले उन्होंने संगठन के कथित प्रभाव की तुलना कीटों और कोरोना वायरस के प्रसार से की थी। अधिकारी ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के रामनगर में एक कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रवाद की भावना विकसित करने के लिए हर साल भाषण, प्रश्नोत्तरी और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित करने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को देश की संस्कृति और विरासत से जोड़ने के लिए ऐसे कार्यक्रम जरूरी हैं।

**नई दिल्ली:** सशस्त्र बलों की क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 2.12 लाख करोड़ रुपए के रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इनमें थल सेना के लिए आधुनिक तोप प्रणाली, हल्के बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर, वायु रक्षा प्रणाली और लंबी दूरी तक मार करने वाले ड्रोन, नौसेना के लिए मिसाइलों से बचाव की क्षमता बढ़ाने वाली प्रणाली और आधुनिक युद्धपोतों सहित प्रमुख नौसैनिक प्लेटफॉर्म तथा वायु सेना के लिए हेलीकॉप्टर, वायु रक्षा प्रणाली, हथियार और मौसम निगरानी रडार शामिल हैं। सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में इन प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। यह रक्षा खरीद प्रक्रिया में शुरुआती स्वीकृति है। कुल स्वीकृत प्रस्तावों में करीब 82% खरीद भारतीय उद्योग से की जाएगी। थल सेना के लिए आधुनिक सैन्य उपकरण थल



सेना के लिए उच्च गतिशीलता वाले वाहन, स्वचालित तोप प्रणाली, तोप के गोले दागे जाने का पता लगाने वाली प्रणाली, हल्के बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर और बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली को खरीद को मंजूरी दी गई है। इसके

अलावा मानवरहित हवाई प्रणालियों से निपटने वाली प्रणाली, लंबी दूरी तक निगरानी करने वाले मानवरहित विमान, एकीकृत निगरानी एवं प्रहार प्रणाली और लंबी दूरी तक हमला करने वाले

इलाकों में बढ़ेगी सैन्य क्षमता उच्च गतिशीलता वाले वाहन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में सैनिकों को आवाजाही, रसद पहुंचाने और अभियान चलाने की क्षमता बढ़ाएंगे। स्वचालित तोप प्रणाली मशीनीकृत सैन्य टुकड़ियों के साथ बेहत

**■ भारतीय नौसेना के लिए एक्टिव ऑफबोर्ड डिक्काय सिस्टम सहित प्रमुख नौसैनिक प्लेटफॉर्म की खरीद को मंजूरी दी गई है। एक्टिव ऑफबोर्ड डिक्काय सिस्टम दुश्मन की जहाज रोधी मिसाइलों...**

तालमेल बनाते हुए समान गति से आगे बढ़ने और प्रभावी मारक क्षमता उपलब्ध कराने में मदद करेगी। वहीं, तोप के गोले दागे जाने का पता लगाने वाली प्रणाली युद्ध क्षेत्र में वास्तविक समय में स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराएगी। हेलीकॉप्टर और ड्रोन से मजबूत होगी निगरानी हल्के बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल थल सेना और वायु सेना दोनों करेंगी। इनका उपयोग टोह लेने,

निगरानी, लड़ाकू अभियानों, खोज एवं बचाव तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों में किया जा सकेगा। बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली नई पीढ़ी के छोटे हवाई खतरों से निपटने में मदद करेगी। मानवरहित प्रणालियों से निपटने की क्षमता मानवरहित हवाई प्रणालियों को निष्क्रिय करने वाली प्रणाली आधुनिक युद्ध क्षेत्र में टैंकों और अन्य सैन्य उपकरणों की सुरक्षा बढ़ाने में मदद करेगी। वहीं लंबी दूरी की निगरानी और ड्रोन प्रणालियों से दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने तथा सटीक कार्रवाई की क्षमता मजबूत होगी। नौसेना के लिए मिसाइल रक्षा प्रणाली भारतीय नौसेना के लिए एक्टिव ऑफबोर्ड डिक्काय सिस्टम सहित प्रमुख नौसैनिक प्लेटफॉर्म की खरीद को मंजूरी दी गई है। एक्टिव निगरानी हल्के बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल थल सेना और वायु सेना दोनों करेंगी। इनका उपयोग टोह लेने,

# संगरूर में रैली कर कांग्रेस का पंजाब में शुरु होगा चुनावी अभियान

**-4 नवंबर को राहुल गांधी करेंगे रैली को संबोधित**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस पंजाब में अपने चुनावी अभियान की शुरुआत 4 नवंबर को संगरूर जिले में होने वाली राहुल गांधी की रैली से करेगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) और सांसद केशी वेणुगोपाल ने चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस कार्यालय में संगठनात्मक समीक्षा बैठक के बाद घोषणा की। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता मौजूदा सरकार में बदलाव चाहती है और कांग्रेस को राज्य में सत्ता में वापसी का पूरा भरोसा है। कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने बताया कि बैठक में वरिष्ठ नेताओं, जिला कांग्रेस समितियों के अध्यक्षों, संभावित उम्मीदवारों, पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी



के अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक दल के नेता सहित कई पदाधिकारियों से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और चुनावी तैयारियों को गति देना है। पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाकर वेणुगोपाल ने राज्य सरकार पर

निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ रही है और नशे के कारोबार ने गंभीर चुनौती पैदा कर दी है। उन्होंने हाल में हुई गोलीबारी की घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर कहा कि सरकार का पुलिस प्रशासन पर

नियंत्रण कमजोर पड़ गया है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि पार्टी पंजाब को इन समस्याओं से बाहर निकालने और प्रदेश में शांति बहाल करने के लिए काम करेगी। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी का पंजाब के लोगों से गहरा जुड़ाव है और युवा वर्ग, खासकर जेनरेशन जेड, उनके विचारों से प्रभावित हो रहा है। उनके मुताबिक, 4 नवंबर की रैली में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस उत्तराखंड और गोवा की तरह पंजाब में भी संगठनात्मक मजबूती पर विशेष ध्यान दे रही है। पार्टी का लक्ष्य राज्य में जनसमर्थन बढ़ाकर सरकार बनाना है।



कि सपा नेता पिछड़े वर्गों के हितों की बात करते हैं, लेकिन कल्याण सिंह के सम्मान और श्रद्धांजलि कार्यक्रमों से दूरी बनाने का उनका फैसला उनके दावों पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों का उल्लेख कर कहा कि पार्टी ‘सबका साथ, सबका विश्वास’ के सिद्धांत पर काम कर रही है। भाजपा प्रतिका ने दावा किया कि वर्तमान सरकार सभी वर्गों के विकास और कल्याण के लिए योजनाएं चला रही है। उन्होंने सपा की राजनीति की आलोचना करते हुए कहा कि जनता अब परिवारवाद और तुष्टीकरण के बजाय विकास को प्राथमिकता दे रही है।

## क्या ये यूनिवर्सिटी उसके बाप की है, पैर दबा-दबाकर रजिस्ट्रार बनाकर बिठा दिया

**● कांग्रेस सांसद के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर भड़के इमरान मसूद**

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जामिया यूनिवर्सिटी में बिना इजाजत दाखिल होने के आरोप में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है, जिस पर इमरान मसूद भड़क गए। कांग्रेस सांसद मसूद ने उनके खिलाफ हुई एफआईआर पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि क्या ये यूनिवर्सिटी उसके बाप की है, वो जिसके पैर दबा रहा है उसने बनाई थी यूनिवर्सिटी? पैर दबा-दबाकर जिसके पास पढ़ाने का अनुभव तक नहीं उसे रजिस्ट्रार बनाकर बिठा दिया उसके खिलाफ जांच होनी चाहिए, उसके खिलाफ एफआईआर फाइल है उसपर कार्रवाई होनी चाहिए। इमरान मसूद ने यूनिवर्सिटी में फ्री कश्मीर के नारे लिखे जाने पर भी सवाल उठाए और रजिस्ट्रार पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारे बच्चे भूखे मर रहे हैं बीसी आरेंज बंद करके बैठ गया है।



नारे लिखे जा रहे हैं किसने लिखवाए फ्री कश्मीर के नारे, कौन हैं लिखने वाले। मैं जब खड़े होकर इसका विरोध कर रहा था तब सारे छात्र हमारा समर्थन कर रहे थे तो फिर नारे कौन लिखवा रहा है? सीसीटीवी कैमरे किसने हटवा दिए। उन्होंने कहा कि इस सारे फसाद की जड़ ये प्रॉक्टर है। इसने सारा फसाद किया है। ये पूरी सेंट्रल यूनिवर्सिटी बर्बाद करने पर अमदा है। ये छात्रसंघ की बहाली क्यों नहीं चाहते? क्योंकि इनकी लूट खुल जाएगी। ये सोच रहे हैं कि हम एफआईआर से डर जाएंगे। इनके बाप की यूनिवर्सिटी नहीं है, किस बात की ट्रेस पासिंग, सार्वजनिक चीज है और मेरे बच्चे अंदर हैं। आपने बच्चों को जेल बना दिया। बता दें कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और इमरान प्रतापगढ़ी पर बिना अनुमति के अनाधिकृत तरीके से यूनिवर्सिटी परिसर में घुसने और छात्र आंदोलन के दौरान अशांति भड़काने की कोशिश करने का आरोप में एफआईआर दर्ज हुई है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने जामिया नगर थाने में पुलिस ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली है।

## कांग्रेस-सपा के संस्कार ही गंदगी में रहने के हैं और गंदे कार्य करने की आदत है: सीएम योगी

**लखनऊ, एजेंसी ।** यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाल्मीकि जयंती के अवसर पर कानपुर के बिदूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने नानाराव पेशवा पार्क में 411 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर योगी ने अयोध्या के विकास को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने अयोध्या के पुराने हालात का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के शासन में अयोध्या में सड़कों की स्थिति खराब थी, बिजली की व्यवस्था नहीं थी और गंदगी का माहौल था। सीएम ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के संस्कार ही



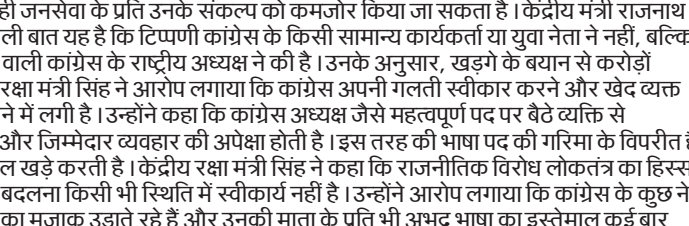
गंदगी में रहने के हैं और गंदे कार्यों को करने की आदत है। उन्होंने कहा कि जब बीजेपी ने अयोध्या के विकास की कार्ययोजना तैयार की, तो विपक्षी दलों ने उसमें बाधाएं डालने का प्रयास किया। सीएम ने आरोप लगाया कि भगवान राम

का मंदिर बनाने, अयोध्या का विकास करने और वहां एयरपोर्ट का निर्माण करने के प्रयासों का भी विरोध किया गया। आज बड़ा पावन दिवस है, इस अवसर पर वह समस्त प्रदेशवासियों का अभिनंदन करते हैं। उन्होंने नारी सम्मान

पर जोर देते हुए कहा कि जहां नारी का सम्मान होता है, वह धरती तीर्थ बन जाती है। हर व्यक्त भगवान राम से जुड़ा हुआ है और महर्षि वाल्मीकि प्रभु राम तक पहुंचने के माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने राम भक्तों की भावनाओं के अनुरूप अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर का निर्माण कराया है। सीएम ने कहा कि राम जन्मभूमि में भगवान रामलला के दर्शन के बाद श्रद्धालु महर्षि वाल्मीकि के मंदिर में भी नतमस्तक हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या में गोस्वामी तुलसीदास और माता शबरी के मंदिर भी बनाए गए हैं, इसके अलावा निषादराज का मंदिर भी है।

## राजनाथ सिंह का खड़गो को जवाब, ऐसी टिप्पणियों से विवलित नहीं होने वाले प्रधानमंत्री मोदी

इंफाल, एजेंसी । नई दिल्ली (ईएमएस) । केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गो की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता को लेकर की गई कथित टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि खरगो की टिप्पणी से वह आहत और स्तब्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी को इस तरह की टिप्पणियों से न विवलित कर सकते हैं और न ही जनसेवा के प्रति उनके संकल्प को कमजोर किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पूरे मामले में सबसे चौकाने वाली बात यह है कि टिप्पणी कांग्रेस के किसी सामान्य कार्यकर्ता या युवा नेता ने नहीं, बल्कि देश की सबसे पुरानी पार्टी होने का दावा करने वाली कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की है। उनके अनुसार, खड़गो के बयान से करोड़ों देशवासियों की भावनाएं आहत हुई हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी गलती स्वीकार करने और खेद व्यक्त करने के बजाय खड़गो के बयान को सही ठहराने में लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति से सार्वजनिक जीवन में गंभीरता, संयम, मर्यादा और जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा होती है। इस तरह की भाषा पद की गरिमा के विपरीत है और कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति पर सवाल खड़े करती है। केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन असहमति को व्यक्तिगत अपमान में बदलना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ नेता पहले प्रधानमंत्री मोदी की पारिवारिक पृष्ठभूमि का मजाक उड़ाते रहे हैं और उनकी माता के प्रति भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल कई बार किया गया है। अब इस तरह की राजनीति पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंच गई है। रक्षा मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के सदस्यों को संन्यासियों का आचरण करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन व्यक्तिगत मर्यादाओं का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के परिवार को निशाना बनाना कांग्रेस की हताशा और वैचारिक कमजोरी को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि इस तरह की बयानबाजी केवल किसी व्यक्ति या परिवार का अपमान नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की गरिमा को भी नुकसान पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता हर बात पर नजर रखती है और समय आने पर अपना जवाब देती है।



# ‘कश्मीर को घसीटकर नहीं, साथ लेकर चलिए’, महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार से की अपील

**श्रीनगर , एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय की वर्षगांठ के मौके पर पीडीपी प्रमुख और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर के लोगों को साथ लेकर चलने की अपील की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर ने भारत के साथ जुड़ने का फैसला महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और डॉ. भीमराव अंबेडकर के धर्मनिरपेक्ष भारत की परिकल्पना के आधार पर किया था। पूर्व सीएम महबूबा ने कहा कि केंद्र को सख्ती करने के बजाय लोगों

का विश्वास जीतने पर ध्यान देना चाहिए। महबूबा ने अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से जम्मू-कश्मीर के हालात पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अगस्त 2019 में विशेष दर्जा समाप्त करने के बाद लोगों की मुश्किलें बढ़ी हैं। उन्होंने सुरक्षाबलों की तैनाती, छापेमारी और युवाओं को हिंसकत में लेने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार जिस शांति और सामान्य स्थिति का दावा करती है, वह उनके अनुसार डर का परिणाम है।

पीडीपी प्रमुख ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों का उल्लेख कर कहा कि कश्मीर समस्या का समाधान इंसानियत, एकता और कश्मीरियत के सिद्धांतों के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से स्थानीय लोगों की भावनाओं और समस्याओं को समझने की अपील की। महबूबा ने हरियाणा में कश्मीरी यात्रियों से जुड़ी एक बस पर पत्थर फेंकने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं चिंता पैदा करती हैं और जम्मू-

कश्मीर के लोगों को अब भी सदेह की नजर से देखने का सवाल उठती है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के भारत के साथ जुड़ने की परिस्थितियों को याद रखना जरूरी है। केंद्र सरकार को संबोधित कर महबूबा ने कहा, ाजम्मू-कश्मीर को घसीटकर अपने साथ रखने की बजाय उसका हाथ पकड़कर उसे अपने साथ चलाइए।- उनका कहना है कि क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए सख्ती के बजाय संवाद और विश्वास बहाली जरूरी है।



## संपादकीय

### दिव्यता के दिव्यांग

जापान के आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने नया इतिहास रचा है। अब तक हुए पैरा एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्वर्ण व पैंतीस रजत पदकों समेत कुल 114 पदक भारत की झोली में डाले। जबकि 2023 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे। इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही। एक ओर जहां जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है। आईची-नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह असामान्य कामयाबी हासिल की है। इन खिलाड़ियों की यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है। हमें हर चुनौती में सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए। हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं। आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाड खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है। पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। जिसमें कुल पैसंट पदक जीते गए। इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बैडमिंटन, तैराकी और तीरंदाजी में रही। वहीं निशानेबाजी,टेबल-टेनिस, जूडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते। इन्हीं कामयाबियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी। एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियों व अपूर्णताओं से जूझना और फिर एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना। कहावत है कि ‘सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा।’ कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दिव्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है, जिसमें दिव्यांगों का जीवन सहज-सरल हो सके। हम उनके जीवन को सहज बना सकने वाली सुविधाएं, उन्हें अब तक उपलब्ध नहीं कराए गए। देश के हर छोटे-बड़े शहर में ऐसी खेल सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, जहां पैरा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को निखार सकें। साथ ही सरकार को इन खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देने के बजाय ऐसे अवसर उपलब्ध कराने चाहिए, जिससे उनका शेष जीवन सुखमय-सुविधामय हो सके।

#### चितन-मनन

### स्वस्थ समाज के लिए करें आत्म जागरण

पिछले कुछ समय से अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद का प्रभाव बढ़ा है। इसी वजह से अध्यात्म के क्षेत्र में भी अवमूल्यन हुआ है। अतः स्वस्थ समाज के लिए आत्म जागरण जरूरी है। जूना पीठधीश्वर स्वामी अवधेशानंद के अनुसार अध्यात्म के क्षेत्र में बाजारवाद ने प्रभाव डाला है और यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक युग है। इसमें पदार्थ की अधिक इच्छा के कारण व्यक्ति अशांत रहता है। अति योगवाद स्वच्छंद और अनियंत्रित भोगवाद के कारण स्वस्थ समाज का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इसके लिए हर मनुष्य को अनुशासित व संस्कारित होना होगा, तभी वह समाज व सृष्टि के लिए उपयोगी होगा और व्यक्ति को संस्कारित करना ही अध्यात्म का काम है। आज मनुष्य उपभोक्ता बनकर रह गया है। जागो ग्राहक के नारे पर सिर्फ बाहर से जगाया जा रहा है, जबकि आज आवश्यकता है आत्म जागरण की। आध्यात्मिक अनुष्ठान से ही व्यक्ति के अंतर को जगाया जा सकता है। मनुष्य ने जल, वायु और पृथ्वी की निरंतर उपेक्षा से बहुत कुछ बिगाड़ दिया है। आज पीने लायक जल सिर्फ डेढ़ प्रतिशत बचा है। अगर अब भी मनुष्य नहीं जागा तो जल संकट और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्राचीन धरोहरों को संरक्षित करने का काम हो रहा है, ऐसे में अत्यंत प्राचीन काल में बने रामसेतु को भी संरक्षित करना चाहिए। यह धर्म विशेष नहीं बल्कि मानव मात्र को योग्यता और क्षमता का ऐतिहासिक प्रमाण भी है। उत्तरकाण्ड एक ऐसी कथा का वर्णन है जिसमें सभी का निचोड़ है। जो व्यक्ति अपनी ज्यादा प्रशंसा सुनना पसंद करता है, वह कभी ऊंचाई नहीं छू पाता। यही अवगुण दशानन रावण में भी था। वह अपनी गलती को स्वीकार न करते हुए प्रशंसा सुनने में ज्यादा मन लगाता था।

## आवश्यकता है

**आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।**

**9456884327/8218179552**



मनोज कुमार अग्रवाल

इन दिनों फ्रांस में चल रहा आंदोलन हालांकि मूल रूप से महंगाई और खराब सार्वजनिक सेवाओं के खिलाफ उपजा जन-आक्रोश से शुरू हुआ , जिसे उा वामपंथी तत्वों, सोशल मीडिया के जरिए दुष्प्रचार फैलाने वाली विदेशी ताकतों और आगामी चुनावों को देखते हुए राजनीतिक दलों ने अपने-अपने एजेंडे के लिए भुनाना शुरू कर दिया है।यह भी सामने आया है कि इन देशों में आसान आबजन नियमों का फायदा उठा घुस आए प्रवासी अराजकता का नंगा नाच कर रहे हैं।

फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों इटली, स्पेन, बेल्जियम और अल्बानिया में भड़की व्यापक हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के पीछे यद्यपि किसी एक निश्चित वैश्विक साजिश के पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन इसमें सामाजिक-आर्थिक कारण, स्थानीय जनक्रोश का कई



सौरभ वार्ष्णेय

टो चोरी के आरोपों से शुरू हुआ आंदोलन, सरकार की जवाबदेही, विपक्ष की भूमिका और युवाओं की बेचैनी के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े कर रहा है। देश में चुनावी पारदर्शिता और कथित ‘वोट चोरी को लेकर शुरू हुआ आंदोलन धमने का नमूना नहीं ले रहा है। दो अक्टूबर से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्म बना हुआ है। जंतर-मंतर जैसे निर्धारित स्थानों पर प्रदर्शन से संबंधित प्रतिबंधों और प्रशासनिक सीमाओं के बीच आंदोलन की आवाज सड़कों तक सुनाई दे रही है। विपक्षी दलों के साथ युवाओं की भागीदारी और स्वतंत्र रूप से अपनी बात रखने वाले यूट्यूबूरो तथा डिजिटल पत्रकारों की सक्रियता ने इस मुद्दे को एक नया आयाम दिया है। सवाल यह है कि क्या इस आंदोलन को केवल राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जाना चाहिए, या फिर इसके पीछे लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास से जुड़ी चिंताओं को भी समझने की आवश्यकता है? भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहीं चुनाव केवल सरकार बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की इच्छा व्यक्त करने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर हैं। मतदाता अपने मत के जरिए सत्ता को स्वीकार करता है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदलने का अधिकार भी रखता है। इसलिए चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर उठने वाले सवालों को गंभीरता से सुनना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। हालांकि, वोट चोरी जैसे गंभीर आरोपों को प्रमाणों और तथ्यों के आधार पर परखा जाना भी उतना ही आवश्यक है। आरोप लगाना और आरोप सिद्ध होना दो अलग-अलग

यह कोई पहला मौका नहीं है, जब भारतीय सुरक्षा बलों और सरकार पर उसकी कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठनों ने सवाल उठया हो। कश्मीर घाटी में आतंकी मासूम खुत बहाते रहे, तब मानवाधिकार संगठनों ने कोई सवाल नहीं उठया, लेकिन जब भी इन आतंकियों के खिलाफ भारतीय बलों ने कड़ी कार्रवाई की, उनके समर्थकों को सीखचों के पीछे डालना शुरू किया, मानवाधिकार संगठनों को उनके मानवाधिकार की चिंता होने लगी। ऐसे में हालिया आंदोलनों के दौरान भारत सरकार की कार्रवाई को लेकर मानवाधिकार संगठन सवाल नहीं उठते तो ही हैरत होती। नीट परीक्षा के खिलाफ कॉन्करोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद मार्च के दौरान जो हिंसा हुई, उसके खिलाफ अगर सुरक्षा बल, ताकत का इस्तेमाल नहीं करते तो बाद में वे ही सवालों के घेरे में होते। संसद से महज दो सौ मीटर की दूरी पर जिस तरह आंदोलन में शामिल असामाजिक और अराजक तत्व उकसाऊ कार्रवाई कर रहे थे, उसमें पुलिस और प्रशासन के पास बल प्रयोग के अलावा कोई दूसरा चारा भी नहीं था। दुनिया की उदर से उदर समझी जाने वाली शायद ही कोई सरकार होती, जो अपनी संसद में उपद्रवियों को घुसने की राह देती। सोचिए अगर, उस दिन उपद्रवी संसद में घुस जाते और भारतीय संसद के साथ कुछ वैसी ही अनहोनी होती, जैसा अभी हालिया प्रदर्शन के दौरान अल्बानिया में हुआ है तो क्या भारतीय लोकतांत्रिक समाज उसे स्वीकार कर पाता? निश्चित तौर पर इन सवालों का जवाब सिर्फ ना है।

भारत में हालिया आंदोलनों की शुरूआत नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में हुई। इसी दौरान अचानक से एक नई पार्टी ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ बनी और उसके बैनर तले देशभर के युवाओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर डेरा डाल दिया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलनों को शॉक ऑब्जर्वर के रूप में देखा जाता है। मर्यादित आंदोलनों और धरना-प्रदर्शनों के जरिए लोकतांत्रिक समाज अपने गुस्से का इजहार करता रहा है। समझदार सरकारें भी सीमित और मर्यादित आंदोलनों को लोगों के गुस्से की अभिव्यक्ति के प्रतीक के रूप में लेती रही हैं। मर्यादित आंदोलनों के जरिए लोक अपना गुस्सा निकालकर शांत हो जाता है। लेकिन ध्यान रखना चाहिए कि

राजनीतिक व बाहरी तत्वों द्वारा इस स्थिति का फायदा उठाना शामिल है।

खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, यद्यपि यह दो किसी विदेशी ताकत ने शुरू नहीं करवाए हैं, लेकिन रूस समर्थित ऑनलाइन नेटवर्क और एआई टूल्स सोशल मीडिया जैसे टिकटॉक और अन्य प्लेटफॉर्म पर हिंसा और आगजनी के वीडियो को तेजी से वायरल कर रहे हैं। इसे एक तरह का हाइब्रिड वॉरफेयर कहा जा रहा है, जिसका मकसद यूरोपीय देशों में सामाजिक अस्थिरता और सरकारों के खिलाफ असंतोष को और ज्यादा भड़काना है।

दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली व फ्रांस के दक्षिणपंथी नेताओं मरीन लेपेन और जॉर्जिया मेलोनी ने सीधे तौर पर इस हिंसा के लिए यूरोप की उदारवादी अप्रवासी नीतियों और खुली सीमाओं को जिम्मेदार ठहराया है। उनका दावा है कि बाहरी देशों से आए शरणार्थी और प्रवासी इन दंगों और लूटपाट में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, हालांकि स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यह संकट मुख्य रूप से आंतरिक आर्थिक नीतियों की विफलता का नतीजा है। आपको बता दें कि 1789 की फ्रांसीसी क्रांति तथा 1830 और 1848 की क्रांतियों के बाद यूरोप के घटनाक्रम को करीब से देखने वाले ऑस्ट्रिया के चांसलर इयूक मेटर्निक का 19वीं शताब्दी का चर्चित बयान है कि जब फ्रांस को जुकाम होता है, तो पूरा यूरोप छिंकने लगता है।

# जंतर-मंतर पर प्रतिबंध, फिर भी सड़कों पर आंदोलन

बातें हैं। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि न तो सवाल पूछने वालों को बिना सुने खारिज किया जाए और न ही बिना प्रमाण किसी आरोप को अंतिम सत्य मान लिया जाए।

किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के सामने विरोध प्रदर्शनों से निपटने की चुनौती रहती है। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का दायित्व है, लेकिन इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते समय नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान भी जरूरी है। यदि किसी स्थान पर सुरक्षा, यातायात या कानून-व्यवस्था से संबंधित प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो उनके पीछे स्पष्ट कारण होने चाहिए और उनका पालन निष्पक्ष तरीके से कराया जाना चाहिए। सरकार की आलोचना करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को व्यवस्था विरोधी मान लेना उचित नहीं है। उसी प्रकार आंदोलन के नाम पर कानून तोड़ने या आम नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करने को भी सही नहीं ठहराया जा सकता। लोकतंत्र में सरकार और प्रदर्शनकारियों, दोनों से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है।

यदि आंदोलन को लेकर यह धारणा बनती है कि सरकार असहमति की आवाज को जनता तक पहुंचने से रोकना चाहती है, तो इससे राजनीतिक अविश्वास बढ़ सकता है। दूसरी ओर, यदि आंदोलनकारी तथ्यों के बजाय केवल भावनाओं के आधार पर दावे करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। बेहतर रास्ता यही है कि चुनावी शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, संबंधित संस्थाएं तथ्यों के साथ जवाब दें और जनता के सामने स्थिति स्पष्ट की जाए।

निष्पक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है। यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता।

साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है। लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी अवश्य

जब फ्रांस में कोई क्रांति या गतिविधि शुरू होती है तो पूरे यूरोप में शुरू हो जाती है। ऐसा ही इस बार हुआ। फ्रांस में छात्रों का आंदोलन शुरू होते ही यूरोप के अन्य 6 देशों में छात्रों के आंदोलन शुरू हो गए हालांकि इनके कारण अलग-अलग हैं तथा हिंसक विरोध-प्रदर्शन स्पेन, इटली, सर्बिया और अल्बानिया में नहीं हुए। फ्रांस में छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों से काफी नुकसान हुआ-लोगों को चोटें आईं, इमारतें जलाई गईं, दुकानों में लूटपाट हुई और कई छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया। छात्रों का यह विरोध मुख्य रूप से देश में शिक्षकों की कमी और स्कूलों की जरूर इमारतों को लेकर था, लेकिन फ्रांस की मैक्रों सरकार ने इन शिकायतों पर लगभग कोई ध्यान नहीं दिया।

उल्लेखनीय है कि आज से 6-7 महीने पहले जब छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया था तब भी मुद्दे वही थे। अगले वर्ष फ्रांस में चुनाव आने वाले हैं और मैक्रों को लग रहा था कि वे वे इस बार भी चुनाव जीत जायेंगे इसलिए उन्होंने इस मुद्दे पर चुप रहना ही बेहतर समझा।परंतु दोबारा सरकार का ध्यान खींचने के लिए प्रदर्शन शुरू होने पर हालात ऐसे बने कि छात्रों के आंदोलन में विभिन्न गैंगों ने घुसपैठ कर ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त किए जाने के बाद तब कहीं जाकर फ्रांस सरकार ने छात्रों की समस्याओं को सुनना शुरू किया।लेकिन, यह सब होने के बाद मैक्रों ने एक भाषण दिया और उसके तुरंत बाद सऊदी अरब चले गए। छात्रों को लगा कि मैक्रों तो हमारी मांगों को

हैं, लेकिन दोनों की जवाबदेही अंततः जनता के प्रति है। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता भी इसी में है कि उसके निर्णयों, प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था पर जनता का भरोसा बना रहे। इस आंदोलन के बीच यूट्यूबूरो और स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारों की भूमिका विशेष रूप से ध्यान खींचती है।

पहले समाचारों और राजनीतिक विमर्श पर मुख्यधारा के मीडिया संस्थानों का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव था, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया ने आम नागरिकों को भी अपनी बात व्यापक स्तर पर रखने का अवसर दिया है। आज कोई युवा घटनास्थल से वीडियो साझा कर सकता है, किसी सरकारी दामे की पड़ताल कर सकता है और उन मुद्दों को सामने ला सकता है जिन्हें पर्याप्त जगह नहीं मिल रही हो।

यह बदलाव लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारिता सत्ता से सवाल पूछने और जनता की समस्याओं को सामने लाने में उपयोगी हो सकती है। लेकिन हर यूट्यूबर स्वतः पत्रकार नहीं बन जाता। विश्वसनीय पत्रकारिता के लिए तथ्यों की पुष्टि, दोनों पक्षों को सुनना, स्रोतों की जांच करना और गलत सूचना फैलाने से बचना अनिवार्य है। वायरल होना और विश्वसनीय होना अलग-अलग बातें हैं।

इसलिए डिजिटल माध्यमों से उठने वाली आवाजों को केवल उनकी राजनीतिक पसंद के आधार पर खारिज करना उचित नहीं है। उनकी सामग्री की जांच तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। स्वतंत्र पत्रकारिता का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह सत्ता से भी सवाल पूछे और विपक्ष के दावों की भी निष्पक्ष पड़ताल करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने युवाओं के सामने विकास, रोजगार, अवसरों और बेहतर भविष्य की उम्मीदें रखी थीं। आज युवाओं का एक वर्ग रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, महंगाई, शिक्षा और राजनीतिक जवाबदेही जैसे सवालों को लेकर मुखर दिखाई देता है। ऐसे में किसी भी आंदोलन में युवाओं की भागीदारी को केवल राजनीतिक दलों के प्रभाव का परिणाम मान लेना अधूरा विश्लेषण होगा। युवाओं की अपेक्षाएं बदल रही हैं। वे केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि उनके परिणाम भी देखना चाहते हैं। वे जानना चाहते हैं कि रोजगार के अवसर कितने बड़े, शिक्षा कितनी सुलभ हुई, सरकारी संस्थाओं में

लेकर गंभीर ही नहीं हैं तथा बिना कोई समाधान निकाले ही विदेश यात्रा पर चले गए हैं।इसलिए एक बार फिर 24 अक्तूबर को छात्रों ने पैरिस सहित कई शहरों में प्रदर्शन किए, मगर वे काफी हद तक शांतिपूर्ण थे। हालांकि पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया और 1300 बच्चों को गिरफ्तार भी किया। उल्लेखनीय है कि पिछले इलेक्शन के समय भी मैक्रों लोगों को उतने पसंद नहीं थे। हालांकि फ्रांस की राइट विंग विपक्षी नेता ला पेन भी फ्रांस के लोगों को कोई खास पसंद नहीं हैं परंतु यदि मैक्रों ने छात्रों की बात न सुनी तो लोग ला पेन की ओर चले जायेंगे।

यूरोप के अन्य देशों में भी छात्र प्रदर्शन हुए हैं और इटली में तो छात्रों ने लूटपाट करने आए गैंगों को पीट कर भगा दिया और पुलिस को बचाया। हालांकि अन्य स्थानों पर ऐसे उग्र प्रदर्शन नहीं हुए परंतु कहीं अन्यव्यस्था खरता है, कहीं रोजगार नहीं है और कहीं बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था न होने के कारण सारे यूरोप के लोग अपने देशों की सरकारों से नाराज हैं और वहां छात्र आंदोलन कर रहे हैं।

इस तरह के घटनाक्रम के बीच प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या लोगों को लोकतांत्रिक देशों में अपनी सरकारों को अपनी शिकायतें नहीं बतानी चाहिएं ? क्या शांतिपूर्वक आंदोलन करने वाले छात्रों या दूसरे लोगों का यह अधिकार नहीं कि उनकी सरकारें उनकी बातें सुनकर उन्हें बेहतर सुविधाएं प्रदान करें। आखिर इन सभी देशों में लोकतंत्र और निर्वाचित सरकारें हैं।

पारदर्शिता कितनी मजबूत हुई और उनकी समस्याओं पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई की गई। यह जरूरी नहीं कि आंदोलन में शामिल प्रत्येक युवा किसी एक राजनीतिक विचारधारा का समर्थक हो। कई बार असंतोष का कारण किसी दल के प्रति समर्थन या विरोध से अधिक अपने भविष्य को लेकर चिंता होती है।

सरकार के लिए यह अवसर है कि वह युवाओं की शिकायतों को सुने, उपलब्धियों के साथ कमियां पर भी स्पष्टता से बात करे और ठोस नीतिगत समाधान सामने रखे। लोकतांत्रिक सरकार का ताकत केवल चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि आलोचना सुनने और जनता के भरोसे को बनाए रखने में भी होती है।

वोट चोरी के आरोपों से जुड़े आंदोलन का वास्तविक निष्कर्ष नारों, रैलियों या राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि तथ्यों, जांच और संस्थागत पारदर्शिता से निकलेगा। यदि आरोपों में दम है, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते, तो संबंधित संस्थाओं को स्पष्ट और विश्वसनीय तथ्यों के माध्यम से स्थिति सामने रखनी चाहिए। दोनों ही परिस्थितियों में जनता को भरोसेमंद जवाब मिलना जरूरी है।

जंतर-मंतर पर प्रतिबंध हो या सड़कों पर विरोध, लोकतंत्र की असली परीक्षा इस बात में है कि असहमति के लिए कितनी जगह बची है और सवालों के जवाब कितनी ईमानदारी से दिए जाते हैं। सरकार को कानून-व्यवस्था और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना होगा। विपक्ष को भी अपने आरोपों को प्रमाणों के साथ प्रस्तुत करना होगा। वहीं स्वतंत्र पत्रकारों और आंदोलनकारियों की जिम्मेदारी है कि वे सत्यापन, शांति और संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करें।

आखिरकार, लोकतंत्र केवल बहुमत से सरकार बनाने का नाम नहीं है। वह जनता के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिकों के सवाल पूछने के अधिकार से भी मजबूत होता है। यदि सरकार, विपक्ष और संवैधानिक संस्थाएं इस मूल भावना को समझें, तो आंदोलन एटकाराव का कारण बनने के बजाय व्यवस्था में सुधार का अवसर बन सकता है। जनता को न केवल अपने मताधिकार की सुरक्षा का भरोसा चाहिए, बल्कि यह विश्वास भी चाहिए कि उसकी आवाज सत्ता तक पहुंच सकती है और उसके सवालों का जवाब मिलेगा। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी कसौटी है।

## एकांगी दृष्टिकोण के असर में मानवाधिकार संगठन



लोक में अराजक तत्व भी होते हैं और वे आंदोलनों की ताक में रहते हैं। लोकतांत्रिक आंदोलनों में वे मौका पाते ही घुस जाते हैं और अराजकता को बढ़ावा देते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के बीस जुलाई के संसद में मार्च में ऐसा ही हुआ। सुरक्षा बलों पर पत्थर फेंकने में जेजुइन छात्रों की संख्या कम, अराजक और असामाजिक तत्वों की संख्या ज्यादा रही। इस तथ्य को सुरक्षा बलों ने भी स्वीकार किया है। बीस जुलाई के संसद मार्च के पहले तक नीट और दूसरी परीक्षाओं में धांधली रोकने की मांग वाला आंदोलन मर्यादित दायरे में था। हालांकि इस दौरान भी शांत खड़े सुरक्षा बलों के साथ बदसलूकी हुई, प्रधानमंत्री को गंदी-गंदी गालियां देते हुए पोस्टर सार्वजनिक रूप से लहराये गए। इन्हें सोशल मीडिया पर उजेलित अंजेल में प्रस्तुत भी किया गया। फिर भी सरकारी तंत्र संयमित रहा। सुरक्षा बलों के नरम रूख के पीछे आंदोलन में शामिल युवा रहे। सुरक्षा बलों और प्रशासन को लगता था कि अगर युवाओं के खिलाफ कार्रवाई हुई तो मामला बिगड़ सकता है। लेकिन जैसे ही यह आंदोलन एसआईआर के

खिलाफ और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की ओर बढ़ा, इसने राजनीतिक रंग ले लिया। निश्चित तौर पर इस पूरे आंदोलन में छात्र कहीं नेपथ्य में जाते हुए दिखे और मोचे पर कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दल दिखे। लेकिन सुरक्षा बलों ने अपना संयम बनाए रखा। चुनाव आयोग पर प्रदर्शन के लिए संसद से निकले विपक्षी सांसदों और उनके समर्थकों को एहतियातन हिरासत में लिया गया। लोगों को जुटने से रोका गया। हो सकता है कि इस दौरान कुछ लोगों के साथ हाथापाई भी हुई हो, किसी को चोट लगी हो। आंदोलन में ऐसा होना स्वाभाविक भी है। दुनिया की कोई भी सरकार आंदोलनकारियों का फूलों से स्वागत नहीं करती। सरकार और सुरक्षा बलों ने जिस तरह संयम दिखाकर सिर्फ हिरासत में लेकर आंदोलन को हिंसक होने से रोकने में सफलता पाई, उसका समाज के एक बड़े हिस्से ने स्वागत भी किया है। आंदोलनकारियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी जनता को आसानी से भाजपा का एजेंट कहा जा सकता है। लेकिन त्योहारी मौसम में कारोबारी नुकसान पहुंचा रहे कर्नाट प्लेस

के कारोबारियों का आंदोलन के विरोध में खड़ा होना मामूली बात नहीं है। इससे साफ हुआ कि जनता भी ऐसे आंदोलनों को पसंद नहीं कर रही।

दुर्भाग्य यह है कि चाहे एमनेस्टी इंटरनेशनल हो या फिर ह्यूमराइट्स वाच, या संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति, उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम, सुरक्षा बलों के संयम, प्रधानमंत्री को दी गई गालियों की ओर ध्यान नहीं दिया। एसआईआर और नीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ हुए आंदोलनों के दौरान पुलिस कार्रवाई पर एमनेस्टी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति एवं विशेषज्ञों का चिंता जताना दरअसल मामले का एक तरफा सज़ान लेना है। ह्यूमन राइट्स वॉच और संयुक्त राष्ट्र की नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति यानी यूनएसीईआरडी ने अपनी रिपोर्टों में, देश में धार्मिक अल्पसंख्यकोंके खिलाफ भेदभावपूर्ण नीतियां अपनाने और उनके खिलाफ नफरती भाषण आदि का आरोप लगाया है। ये संगठन विदेशी अशदान नियमन अधिनियम यानी एफसीआरए और कड़े आतंकवाद-विरोधी कानूनों, मसलन यूूपीए के दुरुपयोग का भी भारत पर आरोप लगाते रहे हैं। उनका कहना है कि इन नियमों-कानूनों के जरिए मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, एनजीओ और आलोचकों की आवाज दबाई जा रही है। साथ ही, सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को निशाना बनाया जा रहा है, जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दायरा सिकुड़ रहा है।

मानवाधिकार संगठन चाहे जो भी कहें, लेकिन विशेषकर राजधानी दिल्ली में जिस तरह सुरक्षा बलों ने खुद पर हुए हमलों के बवजूद जवाबी कार्रवाई में संयम दिखाया, उसकी तारीफ होनी चाहिए। दरअसल श्रेष्ठताबोध से ग्रस्त पश्चिमी समाज और उसके विभिन्न मानवाधिकार संगठनों का नजरिया विशेषकर तीसरी दुनिया के देशों के लिए एकतरफा ही रहा है। बेशक भारत आर्थिक रूप से दुनिया की चौथी बड़ी शक्ति बन चुका है, लेकिन अब भी भारत को लेकर उनकी सोच पुरानी है। जिसे अब देश की अधिसंख्य जनता समझने लगी है, इसीलिए अब ऐसे आरोपों और पर्यवेक्षणों से भारतीय मानस उस तरह प्रभावित नहीं होता, जैसा अतीत में होता रहा है।



# समाजवादी पार्टी ने महर्षि वाल्मीकि और संत नामदेव जयंती श्रद्धा से मनाई

**बहजोई/संभल (सब का सपना):-** जनपद में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेशानुसार आज जिला कैप कार्यालय बहजोई पर महर्षि वाल्मीकि और संत नामदेव की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। जिला अध्यक्ष अस्मगर अली अंसारी और पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि और संत नामदेव के चित्रों पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अस्मगर अली अंसारी ने दोनों महापुरुषों के जीवन और आदर्शों को नमन किया। उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों ने समाज को सत्य समानता और मानवता का मार्ग दिखाया। महर्षि वाल्मीकि ने रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना कर मयादां और



आदर्श जीवन का संदेश दिया। उनका जीवन त्याग तपस्या और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। समाजवादी पार्टी उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। संत नामदेव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि उन्होंने भक्ति आंदोलन के माध्यम से जाति-पाति और भेदभाव को समाप्त करने का संदेश दिया। उनके भजन और वाणी आज भी लोगों को एकता

विचारों से मेल खाती है। कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे महर्षि वाल्मीकि और संत नामदेव के बताए मार्ग पर चलकर समाज में भाईचारा और समानता स्थापित करेंगे तथा पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। कार्यक्रम में नबाब सोहल इकबाल बलवंत सिंह उमेश दिवाकर शोभित कुमार ममता मधुकर अशोक राणा अमरपाल यादव आकिल साहब सुभाष पाल सुनीता यादव जमाल एडवोकेट मुशी बाहिर साहब सईद इशराली मनोज शमा अशोक गुप्ता बब्बन मौर्य राम सिंह जाटव मुकेश यादव विपिन शर्मा प्रधान चरक सिंह जाटव रियासत हुसैन साबिर खान तसलीम भाई नन्हे नेता विजय प्रकाश यादव तेजपाल सिंह मनोज पुणेन्द्र सुरेश कुमार मौर्य रामबाबू आदि उपस्थित रहे।

# नजीबाबाद में ई-रिक्शा चालकों के लिए रजिस्ट्रेशन कैप शुरु

**26 से 30 अक्टूबर तक स्टैप ग्राउंड में हो रहा है आयोजन,नगर पालिका परिषद की अपील:-**  
**नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):-** नगर पालिका परिषद नजीबाबाद की ओर से क्षेत्र के ई-रिक्शा चालकों के लिए पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) कैप का शुभारंभ किया गया है। स्थानीय स्टैप ग्राउंड में आयोजित यह विशेष कैप 26 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक चलेगा। कैप का समय प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी



मुक्ता कुमारी के निदेशानुसार, नोडल अधिकारी विपिन चौहान और

राजस्व निरीक्षक के नेतृत्व में कैप का संचालन किया जा रहा है। इस

**समय पर कराएं पंजीकरण**

दौरान विशेष कुमार, मोहम्मद सुल्तान, ताहिर, मुजम्मिल, रूपेश कुमार और नरेंद्र कुमार समेत कई अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष इंद्रीस ने सभी ई-रिक्शा चालकों से अपील की है कि वे समय रहते अपना रजिस्ट्रेशन पूरा करवा लें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा या कानूनी परेशानी का सामना न करना पड़े।

# गंगा एक्सप्रेसवे और नेशनल हाईवे-509 पर हुई कार्रवाई, एक वाहन सीज



**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को यातायात पुलिस ने ऑपरेशन सेफ अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक संभल के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात अजीत सिंह और प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह के मार्गदर्शन में चलाए गए अभियान के दौरान कुल 312 वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। इन वाहनों पर कुल 6,24,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। अभियान के तहत गंगा एक्सप्रेसवे

पर दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक तथा नेशनल हाईवे-509 पर दिन के समय इंटरसेप्टर मोटरसाइकिल के माध्यम से वाहनों की गति पर निगरानी रखी गई। निर्धारित गति सीमा से अधिक तेज रफ्तार में वाहन चलाने वाले 96 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को नियमों का पालन करने और सड़क पर सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने का संदेश भी दिया। इसके अलावा ओवरलोडिंग करने वाले टैंपो और ई-रिक्शा के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान ऐसे 16



वाहनों पर प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। वहीं, टैंपो और ई-रिक्शा में अनधिकृत रूप से लगाए गए छह पायदान हटवाए गए, ताकि यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुचारु बनाया जा सके। यातायात पुलिस ने एक वाहन को सीज करने की कार्रवाई भी की। इसके अतिरिक्त यातायात नियमों के उल्लंघन से संबंधित अन्य धाराओं में भी कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग और नियमों की अनदेखी से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकना

है। पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठाने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। यातायात प्रभारी जगरोशन सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सेफ अभियान तीन दिन तक चलाया जाएगा। इस दौरान जनपद के प्रमुख मार्गों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को मजबूत करना और आमजन की यात्रा को सुरक्षित बनाना है।

# वाल्मीकि जयंती को लेकर एसपी विकास चंद्र त्रिपाठी ने परखी सुरक्षा व्यवस्था



**बहजोई/संभल (सब का सपना):-** जनपद में वाल्मीकि जयंती के दृष्टिगत सोमवार को पुलिस अधीक्षक संभल विकास चंद्र त्रिपाठी ने थाना चन्दौसी और हयातनगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जुलूस के मार्गों का निरीक्षण करते हुए कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान जुलूस मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था

को स्थिति देखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वाल्मीकि जयंती के कार्यक्रमों और जुलूस के दौरान पूरी सतर्कता बरती जाए। सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और सभी पुलिसकर्मों अपनी ड्यूटी जिम्मेदारी के साथ निभाएं। इस दौरान एसपी ने जुलूस के आयोजकों से भी संवाद किया। उन्होंने आयोजन को सुकुशल, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर चर्चा की। साथ ही सभी से आपसी सहयोग बनाए रखने और प्रशासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था



के अनुरूप कार्यक्रम संपन्न कराने की अपेक्षा की। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने संबंधित क्षेत्रों में फ्लैग मार्च भी किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता एवं मुस्तेदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। साथ ही जुलूस के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि पर सतर्क दृष्टि रखने को कहा। एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि त्योहार और धार्मिक आयोजनों के

दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है। पुलिस की जिम्मेदारी है कि सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हों और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पुलिस अधीक्षक के निरीक्षण और फ्लैग मार्च के दौरान वाल्मीकि जयंती के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस की तैयारियों का जायजा लिया गया। पुलिस प्रशासन की ओर से संबंधित क्षेत्रों में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए फीस पर नियंत्रण लगाने, विभिन्न बोंडों की फीस निर्धारित करने और

# आरसेटी में सीएनएन ग्रेडिंग प्रक्रिया संपन्न, प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का लिया जायजा

**बहजोई/संभल (सब का सपना):-** जनपद में ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित कैनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बहजोई में सोमवार को सीएनएन ग्रेडिंग प्रक्रिया संपन्न हुई। इस दौरान अधिकारियों ने संस्थान की प्रशिक्षण व्यवस्था, कार्यप्रणाली और विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। ग्रेडिंग प्रक्रिया में डीडिए संभल राम आशीष, कैनरा बैंक बरेली के नोडल अधिकारी कमलेश कुमार आर्य, ग्रेडिंग अधिकारी ओपी पंवार, लीड जिला प्रबंधक



(एलडीएम) संभल ललित विजय राय तथा आरसेटी संभल के निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। इनके साथ संस्थान की फैकल्टी सदस्य मानसी शर्मा, सुजीत सिंह, मयंक वाण्य, रणवीर सिंह सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संस्थान में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रशिक्षण संबंधी व्यवस्थाओं तथा प्रशिक्षार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयासों का जायजा लिया। साथ ही संस्थान की कार्यप्रणाली और

प्रशिक्षण गतिविधियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं का आकलन किया गया। कैनरा बैंक आरसेटी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण और आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए सक्षम बनाना है। संस्थान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। ग्रेडिंग प्रक्रिया के माध्यम से संस्थान की प्रशिक्षण व्यवस्था और कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया गया।

# पत्रकार अफसर अली को रामलीला कमेटी ने किया सम्मानित

**शील्ड भेंट कर बढ़ाया उत्साह, कमेटी की ओर से व्यक्ति किया गया सम्मान**

**बहजोई/संभल (सब का सपना):-** जनपद के बहजोई स्थित पुराना बाजार श्री रामलीला कमेटी की ओर से सब का सपना अखबार के संभल जिला प्रभारी अफसर अली को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कमेटी की ओर से उन्हें सम्मानित किए जाने पर क्षेत्र में इसकी चर्चा रही। इस अवसर पर कमेटी के सदस्यों ने शील्ड भेंट कर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। श्री रामलीला कमेटी द्वारा आयोजित इस सम्मान कार्यक्रम में अफसर अली को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कमेटी की ओर से यह सम्मान पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों के प्रति आदर और प्रोत्साहन की भावना को दर्शाता है। पत्रकार समाज और प्रशासन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। वे क्षेत्र की



गतिविधियों, जनसमस्याओं और सामाजिक आयोजनों से जुड़ी खबरों को आमजन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। पत्रकारिता को उद्देश्य केवल समाचारों को प्रकाशित करना ही नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता बढ़ाना, लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना और जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने

लाना भी है। स्थानीय स्तर पर होने वाले धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने में स्थानीय पत्रकारों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। ऐसे में पत्रकारों को सम्मानित करना उनके कार्यों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक माध्यम है। बहजोई के पुराना बाजार में

श्रीरामलीला कमेटी के सदस्य कपिल वाण्य की ओर से अफसर अली को शील्ड भेंट कर सम्मानित किया जाना इसी भावना से जुड़ा रहा। इस दौरान कमेटी ने उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। सम्मान मिलने से पत्रकारों का उत्साह बढ़ता है और उन्हें समाज से जुड़े मुद्दों को सामने लाने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। श्री रामलीला कमेटी धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से क्षेत्र में अपनी भूमिका निभाती है। ऐसे आयोजनों के दौरान सामाजिक सहभागिता और आपसी सहयोग की भावना भी देखने को मिलती है। कमेटी की ओर से सब का सपना अखबार के संभल जिला प्रभारी अफसर अली को सम्मानित किया जाना कार्यक्रम का प्रमुख विषय रहा।

# बाइक चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी की बाइक बरामद

**संभल (सब का सपना):-** जनपद में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को थाना कोतवाली संभल पुलिस टीम ने बाइक चोरी के मामले में दो वांछित आरोपियों को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, रविवार को ग्राम नूरियो सराय निवासी आकाश पुत्र रोहतास कुमार ने थाना कोतवाली संभल में बाइक चोरी होने के संबंध में तहरीर दी थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ सर्बींधत धाराओं में



अभियोग पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। मामले की जांच के दौरान सोमवार को थाना कोतवाली संभल पुलिस टीम ने

कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सौरभ पुत्र सतीश, उम्र करीब 19 वर्ष, तथा

विष्की पुत्र जगदीश, उम्र करीब 26 वर्ष, के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को चंदौसी रोड पर मुरादाबाद बाईपास की ओर करीब 500 से 600 कदम आगे से चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने बरामद बाइक को कब्जे में लेकर मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की इस कार्रवाई से बाइक चोरी के मामले का खुलासा हुआ है। मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

# राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिषद की प्रदेश संगठन समीक्षा बैठक सम्पन्न

**संभल (सब का सपना):-** राष्ट्रीय भ्रष्टाचार दमन परिषद भारत की प्रदेश संगठन समीक्षा बैठक रविवार को संभल स्थित डीके रिसोर्ट में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। बैठक की अध्यक्षता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष केके मिश्र ने की, जबकि संचालन शकीलुर्रहमान बरकाती एवं डीपी शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष केके मिश्र ने देश में भ्रष्टाचार की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व, विद्युत और खाद्य एवं रसद विभागों में पारदर्शिता बढ़ाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने दवाओं की बढ़ती कीमतों और गुणवत्ता की जांच कराने, सरकारी स्तर पर दवाओं को सुलभ बनाने तथा निजी अस्पतालों में उपचार, ऑपरेशन और मरीजों के रहने के खर्च की दरें प्रदर्शित करने की मांग की। उन्होंने अस्पतालों में प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति पर भी जोर दिया। शिक्षा के क्षेत्र पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना जरूरी है। निजी स्कूलों की ममनगी फीस पर नियंत्रण लगाने, विभिन्न बोंडों की फीस निर्धारित करने और



अधिक शुल्क वसूलने वाले स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने नर्सरी से माध्यमिक स्तर तक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर भी बल दिया। बैठक में संगठनात्मक विस्तार और भी जोर दिया। शिक्षा के क्षेत्र पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना जरूरी है। निजी स्कूलों की ममनगी फीस पर नियंत्रण लगाने, विभिन्न बोंडों की फीस निर्धारित करने और

से किया जाएगा। इसके अलावा जिलाध्यक्षों को प्रतिभाह बैठक आयोजित करने तथा उसकी रिपोर्ट और समाचार पत्रों की छायाप्रति संबंधित कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए। सूचना प्राप्त नहीं होने की स्थिति में लखनऊ कार्यालय में अपील करने और प्रदेश, जिला एवं महानगर कार्यकारिणी का विस्तार करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में शाहिद हुसैन, शशिराम सिंह, डीपी

शर्मा, अमित गौतम, शाहनवाज सम्भली, तेजपाल सिंह, विजेश यादव, रवि गुलाटी एडवोकेट, एएस कुरैशी, राकेश वाल्मीकि, नरेश बहादुर, हीराम सिंह यादव, मो. अली, पुष्पेन्द्र यादव, गोविन्द राम शर्मा, करन सिंह, इकराम वारसी, डॉ. मो. आसिफ, संदीप कुमार एडवोकेट, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, मो. आरिफ, खुसरत अली सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# ग्राम इस्लामाबाद में धूमधाम से मनाया गया महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव

भाजपा विधायक कुंवर सुशांत कुमार ने किया महर्षि वाल्मीकि को नमन, बोले- शिक्षा से ही समाज और राष्ट्र का होता है सर्वांगीण विकास



**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** ग्राम इस्लामाबाद में आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी का प्रकटोत्सव हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वाल्मीकि मंदिर में हवन-पूजन कर भगवान वाल्मीकि को भोग लगाया गया। इसके बाद विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ तथा दोपहर में बैड-बाजों और ढोल-नगाड़ों के साथ भगवान वाल्मीकि जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल मनमोहक धार्मिक झांकियों ने ग्रामीणों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे ग्राम इस्लामाबाद स्थित वाल्मीकि मंदिर में हवन-पूजन के साथ हुआ। श्रद्धालुओं ने आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जी को सात प्रकार के मिश्रनों और देसी घी से बने हलवे का भोग लगाया। इसके बाद वाल्मीकि धर्मशाला में विचार गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि बट्टापुर के भाजपा विधायक कुंवर सुशांत कुमार ने मंदिर पहुंचकर भगवान वाल्मीकि जी को पुष्पांजलि अर्पित की और उनका आशीर्वाद



लिया। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए विधायक कुंवर सुशांत कुमार ने कहा कि आदि कवि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण विश्वविख्यात महाकाव्य है, जो समस्त मानव समाज को सामाजिक, धार्मिक और पारिवारिक संबंधों की मयार्दा में रहकर जीवन जीने की प्रेरणा देता है। रामायण माता-पिता, गुरुजनों, भाई-बहनों और बड़ों का सम्मान करने के साथ-साथ प्रेम, सद्भाव और आदर्श जीवन जीने की सीख देती है। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र का वर्णन रामायण के माध्यम से किया। उनकी दूरदृष्टि और महान रचना आज भी समाज को सही मार्ग दिखा रही है। रामलीलाओं के माध्यम से रामायण के आदर्श जन-जन तक पहुंचते हैं और युवाओं सहित मातृशक्ति को भी प्रेरित करते हैं। विधायक ने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति के साथ-साथ परिवार, समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के द्वार खोलती है। उन्होंने वाल्मीकि समाज सहित सर्वसमाज के लोगों से अपने बच्चों

# अमीरपुर में संधिग्ध हालात में व्यक्ति की मौत, पत्नी ने देवर पर लगाया हत्या का आरोप



**बिजनौर (सब का सपना):-** स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव अमीरपुर में एक व्यक्ति की संधिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे, तभी मृतक की पत्नी को इसकी जानकारी मिली। पत्नी ने पुलिस को सूचना देकर अपने देवर पर हत्या का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



ने पुलिस को दी गई तहरीर में अपने देवर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि संपत्ति को लेकर उसका देवर धर्मेन्द्र से विवाद करता रहता था। डोली ने आरोप लगाया कि बीती रात शराब में कुछ मिलाकर उसके पति की हत्या कर दी गई। पति की मौत की सूचना मिलने के बाद उसने पुलिस को जानकारी दी और मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर पुलिस गांव पहुंची और शव को

# एक नवंबर को दिल्ली में होगी वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली

जिला कांग्रेस कार्यालय पर प्रेसवार्ता कर नेताओं ने दी जानकारी, अधिक से अधिक लोगों से दिल्ली पहुंचने की अपील

**बिजनौर (सब का सपना):-** जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं ने आगामी एक नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली ह्वावोट बचाओ, देश बचाओ महारैली एवं जन मार्च की जानकारी दी। नेताओं ने कार्यकर्ताओं और आमजन से महारैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भागीदारी करने की अपील की। प्रेसवार्ता में पर्यवेक्षक मेहंदी अली, एआईसीसी सदस्य संजीव शर्मा, जिला अध्यक्ष हैनरीता राजीव सिंह, नगर अध्यक्ष हिमार्थू बैंग सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान

चुनाव आयुक्त के कामकाज, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तथा कथित वोट चोरी जैसे मुद्दों को उठाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इन विषयों पर जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज बुलंद करना जरूरी है। पर्यवेक्षक मेहंदी अली ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आमजन से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंचकर महारैली में शामिल हों और इसे सफल बनाने में अपना योगदान दें।



पर्यवेक्षक मेहंदी अली ने बताया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली एवं जन मार्च का आयोजन किया

जाएगा। उन्होंने कहा कि महारैली को सफल बनाने के लिए कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि महारैली के माध्यम से मुख्य

# नहटौर में भारी वाहनों की नो-एंट्री से जाम से मिलेगी निजात

**नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):-** नहटौर में बढ़ती भीड़ को देखते हुए नहटौर में बड़े वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया है और सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा भारी वाहनों की नो-एंट्री लागू किए जाने से धामपुर मार्ग पर गांगन नदी के पुल से कश्मीरी तक भारी वाहनों की लंबी कतार लग गई। नेत, बजरी और अन्य निर्माण सामग्री से भरे डंपर तथा अन्य भारी वाहन सड़क पर खड़े रहे, जिससे राहगीरों

करने के उद्देश्य से भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है। इसके तहत गांगन नदी के पुल पर डंपरों को रोक दिया गया। थानाध्यक्ष नहटौर वीरेंद्र सिंह ने बताया कि शहर में सड़क हादसों से बचाव के लिए सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक भारी वाहनों की नो-एंट्री लागू है। भारी वाहनों को शहर के बजाय बाईपास से होकर गुजरने के निर्देश दिए गए हैं।



और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने शहर में यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने और दुर्घटनाओं की आशंका को कम

# श्री कृष्ण श्याम सुंदर शनिधाम मंदिर में धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

दीप प्रज्वलित कर सर्व समाज ने महर्षि वाल्मीकि जी को किया नमन

**गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):-** नगर के श्री कृष्ण श्याम सुंदर शनिधाम मंदिर में महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती एवं प्रकट दिवस श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शनिदेव के स्तंभ एवं पंचमुखी हनुमान जी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। मंदिर के अध्यक्ष पंकज लोधी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि केवल एक समाज नहीं, संपूर्ण मानव समाज के गौरव

उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना और सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर नितिन कुमार, सौरभ कुमार, रोहित वाल्मीकि, गोकुल सिंघल, डॉ. नीरज चौहान, उमेश लोधी, डॉ. नेपाल सिंह, जय सिंह राणा, मनीष सभासद, जगवीर चौहान, नरेंद्र शर्मा, भावत प्रजापति, अशोक वाल्मीकि, देवेंद्र, बबलू सहगल, रविंद्र प्रकाश सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।



# एआईएमआईएम ने राज्यपाल को भेजा ज्ञापन, दो मामलों में कार्रवाई की मांग



**फतेहपुर (सब का सपना):-** ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के जिलाध्यक्ष एडवोकेट मोहिउद्दीन ने जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर दो मामलों में कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी को रावण कहकर संबोधित किया, जिसे पार्टी ने अशोभनीय बताया। दूसरे मामले में थरियांव थाना क्षेत्र में राजाराम लोधी की पुत्री पुष्पा देवी की जहर देकर हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि अपराध संख्या 223/2026 धारा 103(1) बीएनएस के मामले में पुलिस ससुराल पक्ष पर कार्रवाई नहीं कर रही है। पार्टी ने दोनों मामलों में कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

# बकाया किश्तों के नाम पर बाइक छीनने में छठा मुकदमा दर्ज

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** कथित रूप से कलेक्शन एंड रिकवरी एजेंट बनकर फ्राइंस वहानों को छीनने वाले गिरोह के खिलाफ छठा मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी पहले से ही जेल में बंद हैं। बट्टापुर की हरिजन बस्ती निवासी नितेश कुमार पुत्र तारा सिंह ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि 6 अगस्त को वह अपनी पत्नी प्राची का अल्ट्रासाउंड कराने धामपुर

एसोसिएट लेकर चले गए और बाइक छीनकर एक रसीद देकर कहा कि 55000 रुपए दे जाना और बाइक ले जाना। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर इनके नामों की जानकारी हुई। जिनके नाम विभू सेठी पुत्र सुनील सेठी निवासी मोहल्ला पाधान नगीना, अनुपम सक्सेना पुत्र राकेश सक्सेना निवासी आशियाना कॉलोनी फेज 2 थाना सिविल

लाइन मुरादाबाद, पुष्पेंद्र पुत्र मुनिराज निवासी ग्राम करखा कोटरा थाना नगीना व एक अज्ञात व्यक्ति जिसका मोबाइल नंबर 96907 xxxxx है। सीओ राजेश सिंह सोलंकी ने बताया कि पीड़ित नितेश कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। नामजद आरोपी पहले से ही जेल में बंद हैं।

# वाल्मीकि समाज ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर किया हवन यज्ञ

**नहटौर (सब का सपना):-** वाल्मीकि समाज के तत्वाधान में महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर वाल्मीकि मंदिर परिसर में हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज के लोगों ने पुर्ण आहुति देकर अपने परिवार के लोगों की सुख समृद्धि की कामना की। वाल्मीकि समाज के तत्वाधान में वाल्मीकि मंदिर परिसर में समाज के अध्यक्ष लक्ष्मण व उनकी धर्मपत्नी यज्ञ हवन के मुख्य यजमान रहे। साथ में समाज के सभी लोगों ने यज्ञ में पूर्ण आहुति देकर अपने परिवारों की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष



लक्ष्मण वाल्मीकि ने बताया रात्रि के समय महर्षि वाल्मीकि की लीला प्रोजेक्टर पर दिखाई जाएगी

तथा मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर राजेश कुमार, पवन कुमार, राजकुमार, करण सिंह, नरेंद्र चैनवाल प्रदीप, राज, ललित, आदि शामिल रहे।

# बाल्मीकि जयंती का जुलूस धूमधाम से निकला

**स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):-** भगवान ऋषि वाल्मीकि प्रकटोत्सव का शोभा यात्रा जुलूस नगर में धूमधाम के साथ निकाली जा रही है। जुलूस का प्रारंभ ऋषि वाल्मीकि मंदिर बाल्मीकि कॉलोनी सोमवार का बाजार से 4:00 बजे प्रारंभ हुआ। जुलूस में भगवान वाल्मीकि के जीवन से संबंधित आधा दर्जन से अधिक झांकियां मौजूद हैं। इसके अलावा जुलूस में अखाड़े में समाज के लोग अपने करतब दिखाते हुए आगे बढ़ रहे हैं। सबसे आगे सजी बग्गी पर ऋषि वाल्मीकि विराजमान है। इसके पीछे अन्य झांकियां और कई बैड मौजूद हैं। इससे पूर्व मोहल्ला वाल्मीकि बस्ती वाल्मीकि मंदिर पर अतिथियों का स्वागत समाज के पदाधिकारी के द्वारा किया गया। इन पदाधिकारी में अध्यक्ष पप्पू सिंह बाल्मीकि, मंत्री प्रमोद वाल्मीकि, कोषाध्यक्ष राजन,



समितिके अध्यक्ष राजवीर सिंह त्यागी, राजपाल प्रजापति, शशांक बिश्रॉई, आदि का पटका पहनाकर और माल्याघरण कर स्वागत किया गया। जुलूस बाल्मीकि बस्ती से होता हुआ बिरला पब्लिक कन्या इंटर कॉलेज,रियासत रोड,सोमवार का

बाजार,पीर का बाजार,शिवाजी मार्केट, मोहल्ला जुमराज का बाजार, धामपुर -मुरादाबाद रोड होता हुआ बाल्मीकि बस्ती पर ही समाप्त होगा। जुलूस में भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया है। जुलूस में का नगर में अनेक स्थानों पर स्वागत किया गया।

# भाकियू संघर्ष की मेहनत लाई रंग, गढ़-मेरठ रोड का निर्माण कार्य शुरू



**हापुड़ (सब का सपना):-** भारतीय किसान यूनियन संघर्ष (अराजनैतिक) के प्रयासों के बाद गढ़-मेरठ रोड के निर्माण कार्य की शुरुआत हो गई है। बताया गया कि सड़क की बदहाल स्थिति और बड़े-बड़े गड्ढों को लेकर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरनजीत सिंह गुर्जर ने धरना-प्रदर्शन कर गड्ढों में समाधि लेने का ऐलान किया था। जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया और सड़क निर्माण कार्य शुरू करा दिया। सड़क का काम शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। ग्रामीणों ने इसे किसानों की बड़ी जीत बताते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सरनजीत सिंह गुर्जर का आभार व्यक्त किया।

### संक्षिप्त डायरी

### ग्लोबल सिटी में देश की सबसे ऊंची इमारत बनाने की तैयारी

एजेंसी

**गुरुग्राम।** द्वारका एक्सप्रेसवे के किनारे 1003 एकड़ में ग्लोबल सिटी विकसित की जा रही है। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आधुनिक शहर के रूप में तैयार किया जा रहा है। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम एचएसआईआईडीसी) बुनियादी सुविधाएं विकसित कर रहा है। उममहाप्रबंधक अरुण गर्ग ने बताया कि आधारभूत ढांचा समय पर तैयार होगा। इससे व्यावसायिक और आवासीय परियोजनाओं के विकास का मार्ग खुलेगा। ग्लोबल सिटी गुरुग्राम के सेक्टर-36, 36बी, 37, 37ए और 37बी में बन रही है। आइकॉनिक टावर प्रमुख आकर्षण होगा ग्लोबल सिटी में प्रस्तावित आइकॉनिक टावर प्रमुख आकर्षण होगा। इसके लिए द्वारका एक्सप्रेसवे के पास छह से सात एकड़ जमीन चिह्नित है। टावर में कार्यालय, होटल, खुदरा बाजार और अवलोकन डेक की संभावना है। बुनियादी ढांचे के बाद भूखंड निजी विकासकर्ताओं को ई-नौलामी से मिलेंगे। ग्लोबल सिटी को गुरुग्राम के प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे करीब 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश और लगभग पांच लाख रोजगार के अवसर मिलने का अनुमान है।

### जर्जर सड़कों से उड़ रही धूल, ग्रेप-1 लागू होने के बाद भी कार्रवाई नहीं

एजेंसी

**मानेसर।** दिल्ली-जयपुर हाईवे पर वाटिका चौक के पास जर्जर सड़क के कारण दिनभर धूल उड़ती रहती है। इससे वाहन चालकों और आसपास से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रेप-1 लागू होने के बाद भी सड़कों से उड़ती धूल को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। मानेसर क्षेत्र के कई अन्य इलाकों में भी सड़कों की हालत खराब है। सड़कों पर धूल उड़ने से लोगों को परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि प्रशासन का ध्यान चालान काटेने पर है, जबकि पहले सड़कों से धूल साफ करवाने और उनकी मरम्मत कराने की जरूरत है। मानेसर सेक्टर-83 स्थित सफायर मॉल के पास व दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित वाटिका चौक के पास भी सड़क की हालत को लेकर लोगों ने चिंता जताई है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, रविवार को मानेसर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 155 दर्ज किया गया। पिछले दो दिनों से मानेसर की हवा की स्थिति सतोषजनक श्रेणी में है। लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

### सड़क हादसे में युवक की मौत

एजेंसी

**गुरुग्राम,** फर्रुखनगर-सुल्तानपुर रोड पर खाद बीच भंडार के समीप 35 वर्षीय एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक मजदूरी करता था। मृतक की पहचान यूपी के सोहनभद्र के गांव गुडहर कलां निवासी पवन देव पांडे के रूप में हुई है। मृतक अपनी वहन राधा मिश्रा के साथ फर्रुखनगर की बालाजी कॉलोनी में हरकेश के मकान में किराये पर रहता था। पुलिस ने राधा की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। राधा ने पुलिस को बताया कि पवन देव 23 अक्टूबर की सुबह मजदूरी के लिए घर से निकला था, लेकिन रात को वापस नहीं लौटा। 24 अक्टूबर को पुलिस ने सड़क हादसे में पवन की मौत होने की सूचना दी। वह मजदूरी करके घर की तरफ पैदल लौट रहा था।

### कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

एजेंसी

**गुरुग्राम,**। गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर किया कार की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक घायल हो गया। घायल का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। सोहना के गांव रिठौज निवासी भीष्म ने पुलिस में शिकायत दी कि उसके चाचा पवन बाइक से गुरुग्राम से सोहना की तरफ आ रहा था। किया कार की चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी। इससे पवन सड़क पर गिर गया। घायल को निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया। यह हादसा छह अक्टूबर को हुआ है, लेकिन अब तक पवन एक निजी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने महिला चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

### हाईवे पर लापरवाही से बस चलाने का वीडियो वायरल

एजेंसी

**मानेसर।** दिल्ली-जयपुर हाईवे पर हरियाणा रोडवेज की बस (एचआर69डीवाई2883 ) को लापरवाही से चलाने का वीडियो वायरल हो रहा है। चालक तेज रफ्तार में बस को जिग-जैग तरीके से चला रहा था। इससे यात्रियों और अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा पर सवाल उठे हैं। वीडियो सामने आने के बाद लोग बस चालक पर कार्रवाई की मांग उठा रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो की अमर उजाला पुष्टि नहीं करता है।

### इंडियन ओपन में वाणी कपूर शीर्ष पर, खिताब की उम्मीदें बढ़ीं

एजेंसी

**गुरुग्राम।** डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में चल रहे हीरो महिला इंडियन ओपन में भारतीय गोलफर वाणी कपूर ने खिताब जीतने की उम्मीदें मजबूत कर ली हैं। शनिवार को तीसरे दौर के शतावर प्रदर्शन के बाद वाणी कुल पांच अंडर 211 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। यदि वाणी यह खिताब जीतती हैं तो एक दशक बाद यह उपलब्धि किसी भारतीय गोलफर के नाम होगी। इससे पहले अदिति अशोक ने 2016 में यह खिताब जीता था। पांच लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में वाणी ने तीसरे दौर में तीन अंडर 69 का स्कोर किया। हालांकि, खिताब की राह उनके लिए आसान नहीं है। सिंगापुर की मौजूदा चैंपियन शेनन टैन और थाईलैंड की पोनार्नान फाटलम संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उनका कुल स्कोर चार अंडर 212 है। शेनन टैन ने शुरूआती दौर में 77 के बाद शानदार वापसी की है। वाणी के पास केवल एक शॉट की बढ़त है, जिससे अंतिम दौर में कड़ी टक्कर की उम्मीद है।। भारतीय गोलफर प्रणवी उर्स बीमारी के बावजूद खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं। उन्होंने तीसरे दौर में 73 का स्कोर किया। प्रणवी कुल तीन अंडर 213 के साथ अर्जेंटीना की मैग्दालेना सिम्परमाकर के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। भारतीय गोलफर ल्वेसा मलिक कुल एक अंडर 215 के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर हैं।

### रंगदारी सिंडिकेट मामले में आरोपी जगमोहन को जमानत

एजेंसी

**गुरुग्राम।** संगठित अपराध और रंगदारी सिंडिकेट से जुड़े आरोपी जगमोहन उर्फ भोटू को जिला अदालत ने जमानत दे दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुदीप गोयल की अदालत ने उसकी नियमित जमानत याचिका स्वीकार की। सेक्टर-5 थाना पुलिस ने पांच जुलाई 2026 को स्पेशल ऑपरेशंस यूनिट, गुरुग्राम के एसआई मुकेश कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। गैंगस्टर दीपक नांदल हरियाणा और दिल्ली-पनसीआर में कार्रवारियों, संगीत निमाताओं और फाइनेंसरों से रंगदारी मांगता था। आरोप है कि जगमोहन ने गैंग को कारोबारियों के मोबाइल नंबर, रेकी और वित्तीय लेनदेन में मदद की। उस पर हवाला के जरिये विदेश में रुपये भेजने और हथियार उपलब्ध कराने का भी आरोप था। बचाव पक्ष ने उसे छूटे फंसाये और जांच पूरी होने की दलील दी। अभियोजन पक्ष ने बैंक खातों से वित्तीय सहायता के आरोप पर जमानत का विरोध किया था।

## आईकेयर अभियान के तहत लीगल सेल की पहल, नागरिक

## अधिकारों और महिलाओं की समस्याओं के समाधान पर जोर

एजेंसी

**नोएडा।** नोएडा के विकास और नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं सुगम समाधान के लिए नोएडा लोक मंच लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में, संस्था के महत्वाकांक्षी 'नोएडा आईकियर'अभियान को और अधिक प्रभावी, परिणाममूलक और व्यापक बनाने के उद्देश्य से रविवार को नोएडा लोक मंच के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में शहर की वर्तमान समस्याओं, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और नागरिकों के अधिकारों पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक का सबसे बड़ा निर्णय शहरवासियों को कानूनी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक विशेष 'लीगल सेल' का गठन करना रहा। जनहित और विधिक सहायता के लिए 'लीगल सेल' का गठन नोएडा में आए



दिन नागरिकों को विभिन्न प्रशासनिक, नागरिक और संपत्ति संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उचित कानूनी जानकारी के अभाव में कई बार आम लोग सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हो जाते हैं। इन समस्याओं का ठोस और विधिक समाधान निकालने के लिए नोएडा लोक मंच ने एक समर्पित लीगल सेल बनाने का निर्णय लिया है। अध्यक्ष की

जिम्मेदारी: इस नवनिर्मित लीगल सेल के अध्यक्ष पद को कमान शहर के जाने-माने और वरिष्ठ अधिवक्ता शिव सागर तिवारी को सौंपा गई है। अध्यक्ष प्रभात कुमार ने कहा, रइस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसी से टक्करा मोल लेना नहीं, बल्कि आम नागरिकों की वास्तविक मदद करना है। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि कई नागरिकों को सरकारी योजनाओं, नीतियों

## कृषि मंत्री ने जटौली-फर्रुखनगर

## मंडियों का निरीक्षण किया

एजेंसी

**गुरुग्राम।** हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा रविवार को जटौली और फर्रुखनगर अनाज मंडियों का दौरा कर बाजरे की खरीद का जायजा लिया। उन्होंने मंडियों में पहुंची फसल, खरीद प्रक्रिया तथा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों और आदतियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक भी लिया। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। फसल खरीद निर्धारित मानकों के अनुरूप पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। कृषि मंत्री ने मार्केट कमेटी कार्यालय में संबंधित विभागों और खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार किसानों की आर्थिक मजबूती तथा उनके हितों की सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। श्याम सिंह राणा ने कहा कि मंडियों में केवल खरीद करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि खरीदी गई फसल का समय पर उठान, उचित भंडारण और किसानों को निर्धारित समय पर भुगतान सुनिश्चित करना भी जरूरी है। उन्होंने खरीद एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। मंडियों में फसल का अनावश्यक जमाव नहीं होना चाहिए। समय पर उठान होने से मंडी परिसर में पर्याप्त स्थान उपलब्ध रहेगा और अन्य किसान भी आसानी से अपनी फसल लेकर पहुंच सकेंगे। अधिकारियों को खरीद व्यवस्था में किसी भी प्रकार की हिलाई न बरतने के निर्देश दिए गए। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में पेयजल, बिजली, छाया, शौचालय और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। इस अवसर पर मार्केट कमेटी पटौदी-जटौली के अध्यक्ष मनोज मोकलवास, सचिव विपिन यादव समेत उपस्थित रहे।

## नोकिया 3310 में नहीं चला जियो सिम, उपभोक्ता कोर्ट ने जुमाना लगाया

एजेंसी

**गुरुग्राम।** जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के अध्यक्ष संजीव ज़िंदल ने जियो कंपनी को एक खरीदार को मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह आदेश जियो सिम नोकिया मोबाइल में न चलने पर रिफंड न देने के मामले में आया है। आयोग ने इसे सेवा में कमी और अनुचित व्यापार प्रथा माना है। सेक्टर-14 निवासी राज भूषण स्वामी ने छह जुलाई 2021 को रिलायंस जियो की दुकान से 298 रुपये में सिम कार्ड खरीदा था। उन्होंने सिम अपने नोकिया 3310 फोन में डाला, लेकिन वह काम नहीं कर रहा था। दुकान पर शिकायत करने पर बताया गया कि जियो सिम केवल वोल्ट तकनीक समर्थित फोन में चलता है। दुकानदार ने सिम वापस लेने और रुपये लौटाने से मना कर दिया। इसके बाद उन्होंने दिवटर और इमेल



के माध्यम से कंपनी से शिकायत की, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। आयोग ने पाया कि उपभोक्ता को सिम की तकनीकी अनुकूलता के बारे में पहले से जानकारी नहीं दी गई थी। आयोग ने 14 अक्तूबर 2026 को यह फैसला सुनाया। पीठ में अध्यक्ष संजीव ज़िंदल, सदस्य ज्योति सिवाच और खुर्बावंदर कौर शामिल

थे। आयोग ने जियो कंपनी को 298 रुपये की राशि छह जुलाई 2021 से नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया। साथ ही, कंपनी को 15 हजार रुपये मानसिक उपरीड़न के मुआवजे के रूप में देने होंगे। इसके अलावा, 11 हजार रुपये मुकदमे के खर्च के के तौर पर भी चुकाने होंगे।

## जेपी विशटाउन में तीसरे दिन भी धरना जारी, निवासियों ने की नारेबाजी

### मेटेनैस शुल्क, एसएएम और सुरक्षा संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग, अधिकारियों ने दिया बातचीत का आश्वासन

एजेंसी

**नोएडा ।** सेक्टर-134 स्थित जेपी विशटाउन के जेपी कॉसमॉस में मेटेनैस शुल्क, एसएएम और अन्य समस्याओं को लेकर निवासियों का अर्निश्चितकालीन धरना रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। छुट्टी होने के कारण प्रदर्शन में बड़ी संख्या में निवासी शामिल हुए। उन्होंने मांगों को लेकर नारेबाजी की और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। निवासियों का कहना है कि मेटेनैस शुल्क, एसएएम और सुरक्षा सहित अन्य समस्याओं को लेकर लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन समाधान नहीं हो रहा। इससे लोग परेशान हैं। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी समस्याओं का



जेपी कॉसमॉस की ही एक एओए है। धरने में जेपी कॉसमॉस के अध्यक्ष बृजेश सिंह, महासचिव संजय सोलंकी, वरिष्ठ नागरिक अध्यक्ष चौधरी ओम सिंह समेत कई

और प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी नहीं होती है। ऐसे में समाज के प्रबुद्ध और जागरूक लोगों को आगे आकर उनकी सहायता करनी चाहिए। यह अभियान मूल रूप से जनता और प्रशासन के बीच एक मजबूत सेतु की तरह कार्य करेगा। सिटिजन चार्टर और आरटीआई पर जोर: योगेन्द्र नारायण के सुझाव बैठक में मुख्य रूप से शामिल रहे योगेन्द्र नारायण ने शासन-प्रशासन को अधिक जनता के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि हर सरकारी विभाग को अपना 'सिटिजन चार्टर' अपने कार्यालयों में प्रमुखता से प्रदर्शित करना चाहिए। स्पष्ट जानकारी की आवश्यकता: सिटिजन चार्टर के जरिए जनता को विभिन्न सेवाओं, तय प्रक्रियाओं और काम पूरे होने की समय-सीमा की स्पष्ट जानकारी मिलती है। प्राधिकरण को पत्र और

आरटीआई: उन्होंने यह सुझाव दिया कि नोएडा प्राधिकरण सहित शहर के अन्य सभी प्रमुख विभागों को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया जाना चाहिए कि वे अपने यहां सिटिजन चार्टर अनिवार्य रूप से लगाएं। यदि आवश्यकता पड़े, तो इस संबंध में सूचना का अधिकार का भी सहारा लिया जाएगा ताकि प्रशासनिक कार्यों में हिलाई को रोक़ा जा सके। अभियान की जमीनी स्तर पर गति देने के लिए सभी सक्रिय सदस्यों को उनके कार्यक्षेत्र और विशेषज्ञता के अनुसार अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। आगामी समीक्षा बैठक: अभियान की प्रगति की निमित्त समीक्षा करने के लिए अगली महत्वपूर्ण बैठक नवंबर के पहले सप्ताह में आयोजित की जाएगी, जिसमें अब तक किए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया

जाएगा। मीडिया का सहयोग: बैठक में इस मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मीडिया और समाचार पत्रों के माध्यम से भरपूर सहयोग की अपील की गई, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। महिलाओं की समस्याओं के समाधान पर विशेष फोकस संस्था की सदस्या रेणु छिन्नबर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 'नोएडा आईकेयर' अभियान महिलाओं, विशेष तौर पर कामकाजी महिलाओं के सामने आने वाली दैनिक और पेशेवर समस्याओं के समाधान में भी एक अहम भूमिका निभाएगा। आज के समय में कई महिलाएं उचित मार्गदर्शन और सहायता न मिलने के कारण मानसिक तनाव या कठिनाइयों से जूझती हैं।

## प्लॉट की दीवार गिरने पर विवाद, पड़ोसियों ने दंपती को पीटा



लिए गांव में स्थित अपने भूखंड पर गए थे। प्लॉट पर पहुंचने के बाद उन्होंने देखा कि वहां स्थिति काफी खराब थी। उनके प्लॉट के ठीक बगल में रहने वाले पड़ोसी सलीम ने अपने घर का गंदा पानी लगातार उनके प्लॉट की ओर छोड़ रखा था। इस जलभराव और सीलन के कारण रिजवाना के प्लॉट की बाउंड्री वॉल (दीवार) पहले ही कमजोर होकर गिर चुकी थी, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा था। करने पर भड़के पड़ोसी, बोला हमला जब रिजवाना के पति ने इस गंभीर लापरवाही और नुकसान को देखते हुए पड़ोसी सलीम से शालीनतापूर्वक इस बारे में बात करनी चाही और गंदा पानी रोकने का आग्रह किया, तो मामला सुलझने के बजाय और अधिक बिगड़ गया। आरोप है

कि पड़ोसी सलीम और उसके परिवार बातचीत से मसला हल करने के बजाय तुरंत आक्रामक हो गए। हथियारों से लैस होकर आए आरोपी: बातचीत के दौरान ही पड़ोसी सलीम, उसका बेटा फिरोज, आसिफ और राजा अचानक उग्र हो गए। वे सभी आरोपी हाथों में लाठी-डंडे और लोहे के सरिए लेकर मौके पर आ धमके। पति के साथ बर्बर मारपीट: आरोपियों ने आगे ही गाली-गलौज शुरू कर दी और रिजवाना के पति को धेरकर उनके साथ लाठी-डंडों व सरियों से बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी। इस अचानक हुए हमले में पति को गंभीर चोटें आईं। पत्नी को भी नहीं बख्शा, बीच-बचाव करने पर फेंका जमीन पर अपने पति को लहलुहान और संकट में देखकर रिजवाना घबरा गई

## सेवा भारती की 26 केंद्र संचालिकाओं ने लिया प्रशिक्षण

एजेंसी

**नोएडा,**। सेवा भारती मेरठ प्रांत की ओर से रविवार को राधा कृष्ण सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में केंद्र संचालिकाओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सुबह नौ बजे से शाम 5:30 बजे तक केन्द्र प्रशिक्षण में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक सेवा से जुड़े केंद्रों की 26 संचालिकाओं ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में सेवा भारती के प्रांत मंत्री अखिल ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। इसके बाद नोएडा विभाग के सेंटन मंत्री जतिन मिश्रा ने पहले सत्र में सेवा से समाज परिवर्तन, पांच परिवर्तन और कार्यकताओं की भूमिका जैसे विषयों पर जानकारी दी। दूसरे सत्र में प्रांत शिक्षा आयाम प्रमुख मंजूषा देशमुख ने शिक्षा से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन किया। तीसरे सत्र में सरिता सती ने विभिन्न कल्याणकारी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। समापन सत्र में विभाग प्रचारक चिरंजीवी ने सेवा कार्य को ईश्वरीय कार्य



बताते हुए कहा कि सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। विभाग मंत्री चंद्र प्रकाश ने सभी कार्यकताओं का आभार जताया। प्रशिक्षण वर्ग के संयोजक आदित्य गौड़ और सह संचालक सदीप त्यागी रहे। इस दौरान विभाग सह संचालक विनोद कौशिक, विभाग उपाध्यक्ष देव प्रकाश, महानगर मंत्री अरुण, मंजू शर्मा, बीएल कपूर और अनुपम कौल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## बंगाली समाज ने की कोजागरी लक्ष्मी पूजा

एजेंसी

**नोएडा,**। शरद पूर्णिमा पर रविवार को बंगाली समाज ने कोजागरी लक्ष्मी पूजा की। घरों और पूजा स्थलों को अलपना से सजाकर मां लक्ष्मी की आराधना की गई। श्रद्धालुओं ने खीर, नारियल और मिठाइयों का भोग लगाया। साथ ही परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सेक्टर-26 की नोएडा कालीबाड़ी, सेक्टर-34 को नोएडा बंगीश समिति, सेक्टर-55 की नवोदय पूजा समिति, सेक्टर-61 की बलाका समिति और सेक्टर-62 की सर्वोर्जनन पूजा समिति में पूजा हुई। सेक्टर-25 की जलवायु विहार संस्कृति कल्याण समिति और सेक्टर-120 की पुर्वाहो बंगाली सांस्कृतिक समिति ने भी पूजा-अर्चना की। कोजागरी लक्ष्मी पूजा में बंगाली परंपराओं की झलक देखने को मिली। महिलाओं ने चावल के घोल से अलपना बनाई। मुख्य द्वार से पूजा स्थल तक मां लक्ष्मी के पदचिह्न उकेरे। मां की प्रतिमा और तस्वीर स्थापित कर दीपक, धूप, फूल, फल और मिठाइयां अर्पित की गईं। कई परिवारों में लक्ष्मी पंचाली का पाठ भी हुआ। दूध और चावल से बनी खीर का भोग लगाया गया। कुछ परिवारों ने खीर को चांदनी में रखने और रात में जागकर मां लक्ष्मी की आराधना करने की परंपरा निभाई। सेक्टर-55 निवासी अभिषेक ने बताया कि कोजागरी लक्ष्मी पूजा बंगाली परिवारों के लिए विशेष महत्व रखती है। इस दिन घर की साफ-सफाई कर अलपना बनाई जाती है। मां लक्ष्मी की पूजा कर खीर का भोग लगाया जाता है। परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के साथ यह पर्व परंपराओं से जुड़े रहने का अवसर भी देता है। सेक्टर-62 निवासी देबोलिना राँ ने बताया कि अलपना बनाना और मां लक्ष्मी के पदचिह्न उकेरना बंगाली परंपरा का खास हिस्सा है।

|   |    |    |   |    |
|---|----|----|---|----|
| न | ल  | का | व | द  |
| त | ला | त  | ल | वा |

